COPYRIGHT RESERVED

2025(Backlog)

Time : 3 hours

Full Marks : 75

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

The figures in the margin indicate full marks.
उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं ।

*Answer **all** questions.*
सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दें : 1×10 = 10

(क) भाषा किसे कहते हैं ?

(ख) भाषा–विज्ञान का प्रारम्भ कब और किनके द्वारा हुआ ?

(ग) संहिता का लक्षण क्या है ?

(घ) भाषा की सार्थक इकाई क्या है ?

(ङ) 'भाषा–विज्ञान भाषा के दार्शनिक रूप को स्पष्ट करता है।' अत: इसे क्या कहा जाएगा ?

(च) संहिता किस वेद को कहा गया है ?

(छ) रूपध्वनिग्राम विज्ञान क्या है ?

(ज) वाक्य के अनिवार्य तत्त्व कौन-कौन हैं ?

(झ) अर्थ-परिवर्त्तन की कितनी दिशाएँ हैं ? नाम लिखकर वर्णन करें ।

(ञ) लौकिक संस्कृत में स्वरों की कितनी संख्या है ?

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दें : 5

(क) ध्वनि-विज्ञान की क्या-क्या उपयोगिताएँ हैं ?

(ख) अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद को स्पष्ट करें ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दें :

15×4 = 60

(क) अर्थविज्ञान क्या है ? संकेतग्रह (अर्थज्ञान) के साधनों का वर्णन करें ।

(ख) वैदिक और लौकिक संस्कृत का तुलनात्मक अध्ययन पर प्रकाश डालें ।

(ग) भाषा की परिभाषा दें तथा भाषा की सभी विशेषताओं का वर्णन करें ।

(घ) संस्कृत में सम्बन्ध तत्त्व के कितने प्रकार हैं ? पद को कितने भागों में विभक्त किया गया है, प्रत्येक का उदाहरण दें ।

(ङ) अर्थपरिवर्त्तन के प्रकारों का वर्णन करते हुए अर्थपरिवर्त्तन के कारणों का उल्लेख करें ।

(च) निम्न में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें :

(i) वाक्य के प्रकार

(ii) बोली

(iii) विभाषा

(iv) ध्वनि-नियम

———— ❖ ————